an>

Title : Need to formulate a fair and transparent system under Pradhan Mantri Ujjwala Yojana to ensure meticulous execution of the scheme.

श्री देवेन्द्र सिंह भोले (अकबरपुर) ः मैं माननीय पेट्रोलियम मंत्री जी का ध्यान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की महत्वाकांक्षी उज्ज्वला योजना के क्रियान्वयन में आ रही दिक्कतों, समस्याओं और विसंगतियों की ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ।

प्रधानमंत्री जी के सपनों की यह महत्वाकांक्षी योजना कई अर्थों में सचमुच क्रांतिकारी है। इसके द्वारा प्रधानमंत्री जी ने न केवल सुदूर गांव के निर्धन परिवारों की महिलाओं को स्वस्थ, स्वच्छ और सम्मानजनक जीवन दशायें मुहैया कराने का संकल्प लिया है, वही दूसरे के लिए कुछ त्यागने की शाश्वत भारतीय परम्परा को भी पुनर्जीवित किया है। उनकी एक अपील पर करोड़ों उपभोक्ताओं द्वारा गैस सब्सिडी का परित्याग बेमिसाल है लेकिन छूट के इन कनेंक्शनों को निर्धन परिवारों को पहुंचाना काफी चुनौतीपूर्ण है। सरकार ने अपनी तरफ से अति निर्धन परिवारों को मानक बनाकर उनकी रसोई तक कुकिंग गैस सिलेंडर पहुंचाने की व्यवस्था की है लेकिन देखने में ऐसा आ रहा है कि चार से पांच हजार तक की आबादी वाले गांव, जहां बी.पी.एल. परिवारों की संख्या भी अच्छी खासी है, महज दस-बीस परिवारों को ही लाभार्थी सूची में सम्मिलित किया जा रहा है। इससे कई तरह की विसंगतियों, विद्वेष और बैर-भाव पैदा हो रहे हैं। कई स्थानों पर कानून व्यवस्था की चुनौतियां भी खड़ी हो रही हैं। इन विसंगतियों का लाभ उठाते हुए ग्रामीण क्षेत्र के गैस वितरको नें कमाई के गोरखधंधे शुरू कर दिए हैं। इनकी करतूतों से इस परियोजना के नकारात्मक प्रभाव भी जहां-तहां दिखाई पड़ रहे हैं। गैस वितरकों द्वारा सूची में सम्मिलित लाभार्थियों तक से पैसों की वसूली की जा रही है, जो कि कतई न्यायोचित नहीं है।

मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करूंगा कि उज्ज्वला नाम के अनुरूप इस योजना के क्रियान्वयन की ओर व्यापक एवं पारदर्शी प्रक्रिया लागू की जाये जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस योजना का लाभ मिल सके।